http://www.mgsuonline.com

A-129

B.A. (Part-I) Examination, 2020

HINDI LITERATURE

Second Paper

(कथा साहित्य)

Time allowed : Two hours
Maximum Marks : 100

खण्ड – अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

समस्त **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **50** शब्द) । प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है ।

खण्ड – ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **200** शब्द) । प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है ।

खण्ड – स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **500** शब्द) । प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है ।

खण्ड – अ

1. समस्त **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (उत्तर सीमा **50** शब्द)

(i) 'धूल पौधों पर' किसकी रचना है ? **2**

(ii) 'धूल पौधों पर' उपन्यास में भारतीय समाज की किन समस्याओं को उठाया गया है ? प्रमुख समस्याओं को रेखांकित कीजिए । **2**

(iii) प्रेमचन्द की 'मंत्र' कहानी का उद्देश्य क्या है ? **2**

(iv) 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' कहानी में समाज की किस विसंगति का वर्णन है ? **2**

(v) 'नगर रसायन' कहानी के शीर्षक के औचित्य को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए । **2**

(vi) 'पाँचवाँ बेटा' कहानी के मुख्य पात्र का नाम बताते हुए उसकी व्यथा के कोई दो कारण स्पष्ट कीजिए । **2**

(vii) 'हारमोनियम और ग्रामोफोन' कहानी के नायक का नाम बताइए । **2**

(viii) 'जमीन से हटकर' कहानी हमें क्या संदेश देती है ? **2**

(ix) 'संकलन त्रय' में कौन-से तीन बिन्दु शामिल हैं ? **2**

(x) उपन्यास के प्रमुख तत्त्वों का नामोल्लेख कीजिए । **2**

http://www.mgsuonline.com

http://www.mgsuonline.com

खण्ड – ब

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच अवतरणों की प्रसंग सहित 200 शब्दों में व्याख्या कीजिए :

2. उसके भीतर बहुत कुछ है जो बाहर आना चाहता है । क्या वह यह भी नहीं देखती कि किससे कहना चाहिए, किससे नहीं । माँ और पत्नी से उसकी आत्मीयता ही कितनी है क्यों कह रही है उनसे वह सब ? कोई नहीं है तो शायद वह जो मिले उससे कह डालती है – इसी तरह खुद को हल्का कर लेती है । हो सकता है उस वक्त वह माँ और पत्नी से नहीं कह रही, मुझसे कह रही है इसलिए वह आँगन में बैठी है और मैं अपनी स्टडी में । स्टडी का दरवाजा खुला है, मुझ तक आवाज पहुँच जाये । वह इतना तेज़ी से बोल रही है, जैसे कह रही हो – सुनो, तुम नहीं सुन रहे, फिर भी सुनो । **8**

3. मेरी नियति ... कि मुझे आधा ही मिलना था । पूरा लिखा होता तो पूरे परिवार में न जन्मती ? हमेशा ढकेली जाती रही – असली परिवार से विमाता के परिवार की तरफ, उस परिवार से ससुराल की तरफ ... जो भी अधूरी रही । पति के रूप में नेक इन्सान भी तो मिल सकता था ! **8**

4. "कायर ! भैया तेरा मरा, कारज किया बेटे ने और फिर जब सब हो गया, तब तू मुझे रखकर घर नहीं बसा सकता था । तूने मुझे पेट के लिए पराई ड्योढ़ी लँघवाई । चूल्हा मैं तो तब फूँकूँ, जब मेरा कोई अपना हो ऐसी बाँदी नहीं हूँ कि मेरी कुहनी बजे, औरों की बिछिया झनके । मैं तो पेट तब भरूँगी जब पेट का मोल कर लूँगी । समझा, देवर ! तूने तो नहीं कहा तब । अब कुनबे की नाक पर चोट पड़ी तब सोचा, तब न सोचा, जब तेरी गरल को बहुओं ने आँखें तरेरकर देखा । अरे कौन किसी की परवाह करता है ।" **8**

5. आश्चर्य के साथ चन्द्रशेखर ने देखा कि आरती समाप्त होने पर सन्त महाराज की आँखे ठीक उन्ही पर टिकी हुई हैं । लगा, वह प्रखर दृष्टि उनके अन्तर्मन की भीतरी परत में छिपे विचारों को देख-परख रही है । पहली बार उन्हें तमाम व्यापार में दिलचस्पी हो आयी । पर वे विचलित नहीं हुए, उनके पास छिपाने के लिए अधिक कुछ नहीं है । सन्त महाराज के सामने रखे थाली से पुष्प उठाकर मुट्ठी में बन्द कर लिया और आँखें मूंद कर ध्यानस्थ हो गये । चन्द्रशेखर ने खुलकर साँस ली, पर दिलचस्पी बनी रही । कुछ देर बाद जब उन्होंने आँखें और मुट्ठी खोली तो देखा हाथ में पुष्प नहीं, सोने की अंगूठी है । **8**

6. ऐसा क्यों होता है अविनाश जी ? शादी जबरदस्ती का सौदा नहीं होनी चाहिए ना । ऐसे तो अधूरे रिश्तों की कतार लग जाएगी । आप से वह प्यार नहीं करती थी और शादी हुई, आप किसी को प्यार करें और शादी किसी से हो जाए, फिर उसकी जिससे शादी हो वह । ऐसे जाने कितनी प्यार की अधूरी तस्वीरें ही रह जाती होंगी । हमारे समाज में और फिर शादी एक औपचारिकता बनकर रह जाती है । **8**

7. 'सच और झूठ तो वो ससुरा भगवान जाणे, जिसने इस बच्चें को जन्म दिया और फिर बाप की मौत पल्ले बाँध दी ।' बूढ़े का चेहरा तमतमा उठा, 'अब उस हरामी कीड़े से जाकर कोई पूछे कि हे मालिक, तू ऐसे दंद-फंद क्यों करता है ? बच्चे का और उसकी माँ का क्या होगा ? मैं कब तक जिऊँगा और दोनों को सभालता रहूँगा ?' **8**

http://www.mgsuonline.com

http://www.mgsuonline.com

http://www.mgsuonline.com

http://www.mgsuonline.com

8. उसकी इस धारणा का लोगों ने खूब मजाक उड़ाया था । बात बहुत छोटी थी, मगर उसकी मूर्खता को प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त थी । उसकी इस रंगीन दुनिया का इतिहास ऐसी मूर्खताओं का इतिहास है, क्योंकि उसके पैरों के नीचे जमीन नहीं रह गई है । वह बहुत चाहता है कि अपनी जिन्दगी नए सिरे से शुरू करें । मगर पत्नी का दबाव और उससे ज्यादा खुद की कमजोरी ! वह उन चीजों के पीछे भटकता रहता है जिनका जीवन की उपलब्धियों से दूर का भी रिश्ता नहीं । **8**

खण्ड – स

किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (उत्तर सीमा **500** शब्द)

9. 'धूल पौधों पर' उपन्यास की नायिका के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **20**

10. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा लिखित 'उसने कहा था' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए । **20**

11. 'अधूरी तस्वीरें' कहानी में समाज की किस समस्या को उठाया गया है ? इसकी मूल संवेदनाओं को उद्घाटित कीजिए । **20**

12. हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए । **20**

http://www.mgsuonline.com
http://www.mgsuonline.com
http://www.mgsuonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.mgsuonline.com